बंसी बजैया किशन कन्हैया माने ना भजन लिरिक्स

बंसी बजैया,
किशन कन्हैया माने ना,
ये नटखट है,
माखन बिन समझे ना,
ये नटखट है,
माखन बिन समझे ना।bd।

तर्ज – दिल दीवाना बिन।

गोकुल की ये सखियाँ सारी,
गोरस ले कर जाए,
साथी लेकर चुपके से ये,
उनके सामने आए,
इन सखियों की,
मटकी फोड़के भागे ना,
ये नटखट है,
माखन बिन समझे ना।bd।

बंसी बजाकर गैया लेकर,
वृन्दावन में जाना,
जमुना किनारे साथी लेकर,
मिल कर रास रचाना,
ढलते शाम ही,
वापस आए ये कान्हा,
ये नटखट है,
माखन बिन समझे ना।bd।

नन्द यशोदा का ये बालक,
गोकुल का उजियाला,
भाव भक्ति से उन चरणों में,
मैं पहनाऊ माला,
माखन खाने इस दुनिया में,
फिर आना,
Bhajan Diary Lyrics,
ये नटखट है,
माखन बिन समझे ना।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बंसी बजैया,
किशन कन्हैया माने ना,
ये नटखट है,
माखन बिन समझे ना,
ये नटखट है,
माखन बिन समझे ना।bd।

Singer – Mukesh Kumar Ji

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com